वर्ष 2022

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी	0 ~~8~~5 1	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 – 27780

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	6	4	3	2	1	5	2

शब्दों में

दो	दो	छः	चार	तीन	दो	एक	पांच	दो

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार भरें

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में — शब्दों में —

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 1

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी सर्टि. परीक्षा

C.N.641039

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
बलराम सिंह भेवाड़ा (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ता... एवं निर्धारित मुद्रा
... K. Sharma (U.M.Shiks... V. NO.-7072 Govt. H. S. S. Gormi ... Mob. 94...	

नोट :– हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषया तथा ... में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये ... पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार ... स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		—
3		—
4		—
5		—
6		—
7		—
8		—
9		—
10		—
11		—
12		—
13		—
14		—
15		—
16		
17		
18		
19		—
20		—
21		—
22		—
23		
24		
25		
26		
27		
28		

कुल प्राप्तांक शब्दों में	कुल प्राप्तांक अंकों में

Oddy 99.1mm x 33.9mm x 16 Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करें और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

योग पूर्व पृष्ठ 2 क अक कुल अक

ST-16M

प्रश्न क्र.

—: प्र. क्रमांक-(1) का उत्तर

(I). उत्तर - जग-जीवन का।

(II). उत्तर - तुलसीदास की।

(III). उत्तर - जब मन खाली न हो।

(IV). उत्तर - चाँद सिंह को।

(V). उत्तर - आनन्द यादव।

(VI). उत्तर - उपरोक्त सभी।

—: प्र. क्रमांक-(2) का उत्तर

(I). उत्तर - प्रत्याशा।

(II). उत्तर - लछमिन।

(III). उत्तर - मराठी।

(IV). उत्तर - आधिक।

(V). उत्तर - उत्साह।

(VI). उत्तर - मात्रिक।

(VII). उत्तर - आकाश।

प्रश्न क्र.

— : प्र. क्रमांक - (3) का उत्तर

(i). बात की चूड़ी मर जाना = बात का प्रभावहीन हो जाना

(ii). अवधूत = शिरीष के फूल

(iii). सिल्वर वैडिंग = यशोधर बाबू

(iv). कहानी का केन्द्रीय बिन्दु = कथानक

(v). चौपाई छन्द = 16-16 मात्राएँ

(vi). तत्सम = संस्कृत के मूल शब्द

— : प्र. क्रमांक - (4) का उत्तर

(i) उत्तर - सूर्योदय होने पर उषा का जादू टूटता है।

(ii). उत्तर - पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(iii). उत्तर - सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजो-दड़ो था।

(iv). उत्तर - आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 30 से 45 मिनट की होनी चाहिए।

(v). उत्तर - शब्दगुण तीन प्रकार के होते हैं।

(vi). उत्तर - दूसरा घर कर लेना :- स्वभाव बदल देना।

M P B S E

प्रश्न क्र.

(vii). उत्तर – क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।

—: प्र. क्रमांक – (5) का उत्तर

(i). उत्तर – सत्य।

(ii). उत्तर – असत्य।

(iii). उत्तर – सत्य।

(iv). उत्तर – असत्य।

(v). उत्तर – असत्य।

(vi). उत्तर – असत्य।

—: प्र. क्रमांक – (6) का उत्तर

उत्तर :— पक्षी दिनभर भोजन की तलाश में भटकते रहते हैं। शाम को जब उनका लौटने का समय होता है, तब उनके बच्चे कुछ पाने की चाह में घोंसलों से झाँक रहे होंगे।

—: प्र. क्रमांक – (7) का उत्तर

उत्तर – 'छोटा मेरा खेत' कविता के सन्दर्भ में अंधड़ का अर्थ :– अभिव्यक्ति का प्रतीक एवं बीज का

प्रश्न क्र.

अर्थ है – उड़ान भरना।
अर्थात कल्पना में विचारों की उड़ान भरना।

—: प्र. क्रमांक-(8) का उत्तर

उत्तर- भक्तिन एक देहाती महिला थी। वह मोटी रोटी, गाढ़ी दाल, मकई की लपसी और बाजरे के तिल वाले पुए आदि बनाती और महादेवी को वैसा ही खाना पड़ता था। भक्तिन के हाथों का मोटा देहाती खाना खाते-खाते महादेवी का स्वाद बदल गया और वह भी भक्तिन की तरह देहाती हो गई।

—: प्र. क्रमांक-(9) का उत्तर

उत्तर- लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह माना है क्योंकी जिस प्रकार सन्यासी (अवधूत) संसार की भौतिक विषय-वासनाओं से ऊपर उठकर अजेयता का मंत्र देते हैं, ठीक उसी प्रकार शिरीष प्रचण्ड गर्मी, लू, आँधी में भी रहकर सदैव हरा-भरा बना रहता है। सन्यासी और शिरीष में यही समानता होने के कारण शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह माना है।

—: प्र. क्रमांक-(11) का उत्तर

उत्तर- समाचार लेखन में मुख्यत: निम्न सवालों के जाब जवाब देने की कोशिश की जाती है।
(i). क्या, (ii). कब, (iii). कौन, (iv). कैसे, (v). ~~कब~~ क्यों
(vi). कहाँ।

प्रश्न क्र.

—: प्र. क्रमांक - (12) का उत्तर

उत्तर- विरोधाभास अलंकार -: काव्य में जहाँ विरोध न होते हुए भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता हैं।

उदा०- मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ।
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ।

—: प्र. क्रमांक - (13) का उत्तर

उत्तर - अभिधा शब्द शक्ति -: काव्य में जहाँ किसी शब्द का मुख्य अर्थ बोध का बोध कराने वाली शब्द शक्ति को अभिधा शब्द कहते हैं।

उदा०- श्याम का मुख्य अर्थ काला होता हैं अतः यहाँ अभिधा शब्द शक्ति हैं।

—: प्र. क्रमांक - (14) का उत्तर

उत्तर- निपात शब्द - किसी वाक्य पर अतिरिक्त भार देने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें निपात शब्द कहते हैं।

उदा०- भी, तक, ही ।

तीनों शब्द निपात शब्द के उदाहरण हैं

प्रश्न क्र.

—: प्र• क्रमांक - (15) का उत्तर

(I). उत्तर - ईश्वर के अनेक नाम हैं ।

(II). उत्तर - मुझे केवल बीस रुपये दीजिए ।

—: प्र• क्रमांक - (18) का उत्तर

उपसर्ग	प्रत्यय
(I). उपसर्ग शब्द के पूर्व में लगते हैं ।	प्रत्यय शब्द के अन्त में लगते हैं ।
(II). अधिकतर उपसर्ग शब्द का विलोम शब्द बनाते हैं ।	प्रत्यय अधिकतर विशेषण एवं संज्ञा का निर्माण करते हैं ।
(III). उदा० - 'प्र' उपसर्ग + हार = प्रहार ।	उदा० - 'ई' प्रत्यय + जीवन = जीवनी ।

—: प्र• क्रमांक - (19) का उत्तर

"आ रही हिमालय ———————— वसंत" ?

(I). उत्तर - शीर्षक :- "देश की रक्षा की पुकार" ।

(II). उत्तर - उदधि शब्द का अर्थ समुद्र है ।

(III). उत्तर - उपर्युक्त पद्यांश में 'वीर रस' है ।

M P B S E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

—— : प्र॰ क्रमांक – (16) का उत्तर

*. तुलसीदास जी (काव्यगत परिचय)

दो रचनाएँ = रामचरितमानस, कवितावली, दोहावली।

भावपक्ष = भक्तिकाल की सगुण भक्ति धारा में रामभक्ति शाखा के सर्वोपरि तुलसीदास में भक्ति से कविता बनाने की सहज परिणति हैं। तुलसीदास ने राम को अपना जीवन समर्पित कर दिया। तुलसी के प्रभु मंगल भवन ~~अमंगल भ~~ अमंगलहारी हैं।
उनके काव्य का मुख्य आधार लोक कल्याण हैं।

कलापक्ष =
(i). भाषा – तुलसीदास जी ने अपनी काव्य रचनाओं में ब्रज एवं अवधी भाषा को अपनाया हैं।
कृष्णगीतावली, विनयपत्रिका आदि ब्रज भाषा की रचनाएँ हैं।
(ii). शैली – तुलसीदास जी ने अपने पूर्ववर्ती सभी कवियों की शैलियों को अपनाया हैं। रामचरित मानस में प्रबन्ध शैली हैं। दोहावली दोहा में चरित हैं।
तुलसी ने अनुप्रास, उपमा, रूपक एवं उत्प्रेक्षा आदि अलंकारो को अपनाया हैं।

साहित्य में स्थान – तुलसीदास जी एक लोक कवि हैं।
उपमा अलंकार के क्षेत्र में जो पहचान ~~तुलसी~~ कालिदास की है वही पहचान सांगरूपक के क्षेत्र में तुलसीदास जी की हैं।

*. *. *.

M P B S E

प्रश्न क्र.

—: प्र· क्रमांक – (17) का उत्तर

*. महादेवी वर्मा

दो रचनाएँ –: नीरजा, नीहार, रश्मि, सांध्यगीत, दीपशिखा।

भाषा –: महादेवी जी की भाषा उत्कृष्ट, समर्थ और सशक्त हैं। महादेवी जी ने साहित्यिक खड़ी-बोली को अपनाया हैं। आपने भाषा में संस्कृत के तत्सम शब्दों का प्रयोग किया हैं।
भाषा की प्रांजलता के कारण गद्य अधिक सरस एवं मनोहारी बन गया हैं।
आपने भाषा में संस्कृत एवं बांग्ला के कोमल शब्दों का प्रयोग किया हैं।

शैली :– महादेवी जी की शैली में विविधता देखने को मिलती है हैं।
महादेवी जी ने प्रमुख रूप से भावात्मक, प्रतीकात्मक, वर्णनात्मक, छायावाद एवं चित्रात्मक शैलियों का प्रयोग किया हैं।

साहित्य में स्थान :– महादेवी वर्मा छायावाद का चौथा स्तंभ मानी जाती हैं। आप आधुनिक मीरा के रूप में विख्यात हैं।
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला ने महादेवी वर्मा को हिन्दी साहित्य के विशाल मन्दिर की सरस्वती कहा हैं।

*. *. *. *.

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

— : प्र• क्रमांक – (21) का उत्तर

"रात्रि की विभीषिका ———— भरती थी।"

सन्दर्भ :– प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह के पाठ पहलवान की ढोलक से लिया गया है। इसके लेखक फणीश्वर नाथ रेणु हैं।

प्रसंग :– प्रस्तुत गद्यांश में हैजा-मलेरिया से ग्रस्त संपूर्ण गाँव को ढोलक शक्ति प्रदान करने का वर्णन है।

व्याख्या :– रात की विभीषिका को सिर्फ पहलवान लुट्टन सिंह की ढोलक ही हराने के लिए तैयार है। पहलवान रात में ढोलक बजाकर गाँव वालों में जोश एवं साहस भरता था। यह ढोलक की आवाज औषधि - उपचार की तरह कार्य करती है।

— : प्र• क्रमांक – (20) का उत्तर

"कविता एक उड़ान है ———— क्या जाने?"

सन्दर्भ :– प्रस्तुत पद्यांश, हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह के पाठ कविता के बहाने से अवतरित है। इसके कवि कुँवर नारायण जी हैं।

प्रसंग :– यहाँ पद्यांश में कविता और चिड़िया की तुलना का वर्णन है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

व्याख्या – चिड़िया अपने पैरों की सहायता से स्वतंत्र उड़ती है, परन्तु कुछ समय बाद थककर वापस धरती पर आ जाती है। कविता की उड़ान चिड़िया नहीं जानती है, क्योंकी कविता चिरस्थायी उड़ान भरती है। कविता लम्बे समय तक जीवन मूल्यों को दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाती है।

—: प्र. क्रमांक – (17) का उत्तर

उत्तर :– यशोधर बाबू एक आदर्श एवं सभ्य व्यक्ति है। उनकी पत्नी बच्चों के साथ जीवन में बदलाव लाती है। वह "आधुनिक समाज की स्त्रियों की कसौटी पर खरी उतरी है।
यशोधर बाबू ~~कुछ~~ बदलाव को कुछ नया अपनी ओर खींचता तो है पर पुराना छोड़ता नहीं। वह ~~सब~~ समय के साथ खुद को नहीं ढाल पाते है। बच्चों की तरह उनकी पत्नी स्वयं बदल जाती है।

प्रश्न क्र.

— : प्र· क्रमांक- (22) का उत्तर

प्रिय मित्र,

मैं बहुत खुश हूँ, और आशा करता हूँ कि आप भी खुश होगें। मुझे कहते हुए बहुत हर्ष हो रहा की मेरे बड़े भाई की शादी दिनाँक —— को वृन्दावन गार्डन में होने जा रही है। मैं इस शुभअवसर पर पहले से आपको आमंत्रण भेज रहा हूँ। मुझे पूरा विश्वास से की तुम जरूर आम आवोगे।
मैं तुम्हारे उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।
माता-पिता के चरण स्पर्श।

तुम्हारा प्यारा
मित्र - अ,ब,स

M F B S E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र. क्रमांक- (23) का उत्तर

*. पर्यावरण प्रदूषण :- उसकी रोकथाम में आपका योगदान।

पर्यावरण प्रदूषण :- पर्यावरण में विषैले कारकों के मिल जाने से पर्यावरण प्रदूषित हो जाता है, इसे पर्यावरण प्रदूषण कहा जाता है।

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान युग में एक गंभीर समस्या के रूप में उभरा है।

पर्यावरण प्रदूषण के निम्न प्रकार :-

(i). जलप्रदूषण :- जल में विषैले, गन्दगी मिले जाने से जल पीने योग्य न रह जाता है, इसे जल प्रदूषण कहते हैं

~~(ii). मृदा प्रदूषण प्रदूष~~

(ii). मृदा प्रदूषण :- मिट्टी की उर्वरता खत्म होने से मृदा प्रदूषण होता है।

(iii). वायु प्रदूषण,

(iv). ध्वनि प्रदूषण;

बढ़ते मानव विकास के कारण जंगल को तेजी से काटा जा रहा है। मृदा, वायु में अवांछनीय तत्व की संख्या बढ़ रही है।

पर्यावरण प्रदूषण का सबसे महत्वपूर्ण कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है।

पृथ्वी पर वनों की प्रतिशत कम हो जाने से अनेक समस्याएँ पैदा हुई हैं।

मैं पर्यावरण को साफ-सुथरा में हर संभव प्रयास करता हूँ। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी एक हरा-भरा एवं अनुकूल वातावरण प्रदान करना है।

M P B S E

प्रश्न क्र.

मैंने अभी तक बीस पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वस्थ रखने में छोटा-सा योगदान दिया है। हमें यह याद रखना है कि यह ग्रह हमें परम्परा के रूप में मिला है, और हमें इसे एक सुन्दर वस्तु की तरह अपनी पीढ़ी को उपहार में भेंट करना है।

ध्यान रखें :—

(I). यह हरा-भरा वातावरण हमें ऐसे ही बनाये रखना है।

(II). कभी-भी ऐसे अनूठे ग्रह को प्रदूषित न करें।

*. वृक्ष लगाये, जल को बचाये।

*. वृक्ष लगाओ, पृथ्वी बचाओ।